दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचें दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

ये दो महिलाएँ अब भारतीय महिला के अदम्य साहस, बुद्धि-कौशल और कर्तव्य-निष्ठा की प्रतीक बन चुकी हैं| ये महिलाएँ किसी बहुत बड़े या संपन्न परिवार से नहीं आई हैं न इन्हें कुछ ज्यादा सुख-सुविधाएँ ही प्राप्त थीं| इनका पालन-पोषण भी सामान्य भारतीय लड़कियों की तरह ही हुआ था| इनकी शिक्षा-दीक्षा भी सामान्य लोगों की तरह ही हुई थी| जब इन्होंने अपने लक्ष्य की तरफ बढ़ना शुरू किया था, तब सामान्य लड़कियों की तरह इनका भी विरोध हुआ था, लेकिन इन्होंने अपने साहस और आत्मविश्वास के बल पर लोगों के विरोध या प्रतिकार पर ध्यान नहीं दिया|

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का नाम क्या है और यह पाठ किस विधा में लिखा गया है?
(ख) किन दो महिलाओं की बात की गई है? इनका पालन-पोषण और शिक्षा कैसे हुई?
(ग) उन्होंने लोगों का विरोध कैसे शांत किया?

विदेश-यात्रा पर जाने वाले मित्र को मंगलमय यात्रा की कामना करते हुए शुभकामना पत्र लिखिए|

_____ _____

_____ _____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____|

_____

_____